ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 28-05-2021

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-05-28 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-05-29	2021-05-30	2021-05-31	2021-06-01	2021-06-02
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	44.0	44.0	44.0	44.0	43.0
न्यूनतम तापमान(से.)	32.0	32.0	32.0	32.0	31.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	44	59	63	62
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	10	13	19	26	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	27.0	24.0	30.0	29.0	22.0
पवन दिशा (डिग्री)	227	223	212	204	222
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	1	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में रात व दिन का तापमान बढ़ने की सम्भावना। अधिकतम तापमान 43.0 से 44.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 31.0 से 32.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहेगा।

सामान्य सलाहकार:

जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा है एंव आगामी रबी की फसल में जीरा लगाना चाहते है तो उस खेत में सरसों की फलकटी 2.5 टन व 0.5 टन सरसों की खली प्रति हेक्टर का भुरकाव करके तवीये निकाल कर एक सिंचाई तेज गर्मी के समय दें ताकि फलकटी व खल के सड़ने से जो गैस निकले उससे उखटा रोग की फंफूद अभी ही खत्म हो जाये। यह कार्य तेज गर्मी के समय पर करना जरूरी है।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में रात व दिन का तापमान बढ़ने की सम्भावना।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
कपास	समय पर बोई गई कपास की फसल में प्रथम सिंचाई 25 दिन की फसल पर करें तथा इसी समय पौधों की छंटनी भी करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	मौसम शुष्क रहने की संभावना को ध्यान में रखते हुए सभी सब्जियों में 5-6 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करें। मृदा नमी को सिंचित रखने के लिए मृदा सतह पर घास फूस व पालिथीन आदि की पलवार का उपयोग करें।
सामान्य सलाह	खजूर, नींबू आदि फलों के बगीचे में नियमित अन्तराल पर सिंचाई करें।
सामान्य सलाह	अगर मानसून के सीजन में फलों के नये पौधें लगाने है तो गड्ढो की खुदाई कर उन्हे खुला छोडें ताकि हानी कारक कीट व खरपतवार के बीज नष्ट हो जाएं।
सामान्य सलाह	पशुओं को संतुलित आहार दें, जिससे उनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता बनी रहें।
सामान्य सलाह	पशुओं को गलघोंटू रोग से बचाव का टिका लगवाएं।